श्रीः

श्रीगणेशाय नमः

श्रीमन्महागणाधिपतये नमः। यं ब्रह्म वेदान्त विदो वदन्ति परं प्रधानंपुरुषं तथाऽन्ये। विश्वोद्गतेः कारणमीश्वरं वा, तस्मै नमो विघ्नविनाशनाय।१। वंशो विस्तारतां यातुकीर्ति-र्यातु दिगन्तरे। आयुर्विपुलतां यातुयस्यैषा जन्मपत्रिका।२।

अथाऽस्मिन शुभे संवत्सरे श्रीमन्नृ-पति विक्रमादित्यराज्यात्संवत 2028 शाके शालिवाहनस्य 1893 मासानाँ मासोत्तमे मार्गशीर्ष मासे शुभे कृष्ण पक्षे एकादश्यांग तिथौ शनिवासरे उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रे वैधृति नाम योगे भाव नाम करणे एवं पंचाँग-शुद्धौ तत्र दिनमान

भा० स० 2 बजकर 5 मिनट मध्य रात्रि स्था० स० 2 बजकर 20 मिनट 12 सैकेन्ड एतत्समये गिरिडीह जन्मस्थले कन्या लग्नोदय 3°-12'-00" लग्नांशे चित्रगुप्त वंशोदभव गोत्रे श्रीमान

एषां भर्या अख्य-डसौ कुक्षौ पुत्र रत्नमजी-जनत् अस्य 'टे" राश्युपरि नामनि प्रथम चरणे सिंह राशि स्थते चंद्र 29°-22'-37"-चंद्रांशे जौ यौनौ मनुष्य गणे क्षत्रिय वर्णे वर्गे मध्य युञ्जायाम् अग्नि हंसके आदि नाड़ी स्थते वैरयोनि- व्याघ्र, एतत्सर्वे विवा-हादौ शुभे कार्ये विबुध विचिन्तनीयम् ।

"कन्या लग्नोदय - "3°-12'-00"

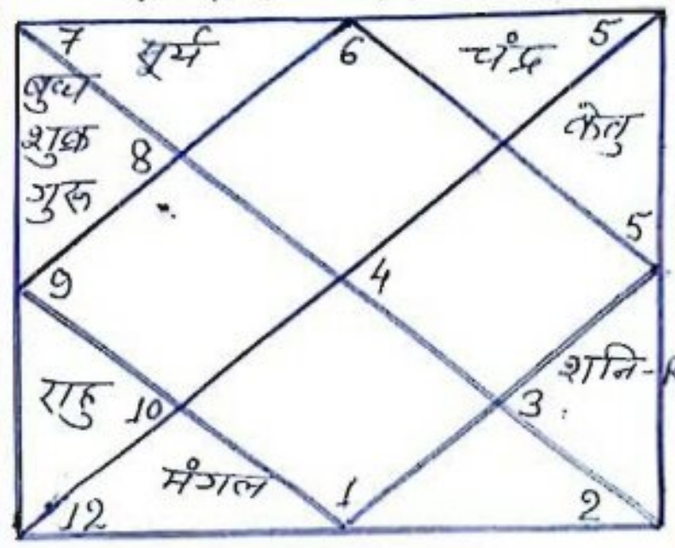

"-चंद्राकम्"

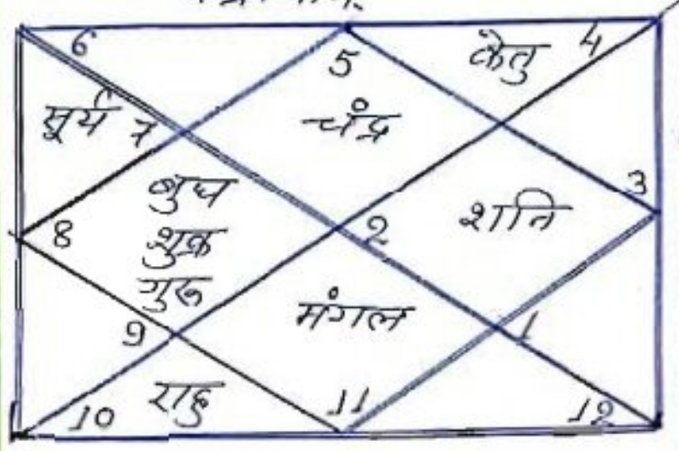

"नवमांश"

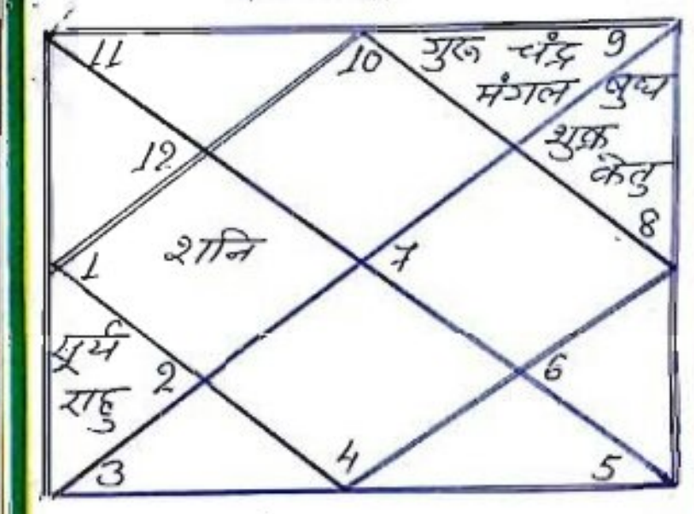

फलादेश

जातक उदार हृदय, स्वाभिमानी, साहसी, उच्च अभिलाषी, स्नेही विचार के होंगे। दूसरों की सहायता करके प्रसन्नचित्त रहने की प्रवृत्ति होगी। लक्ष्य प्राप्ति हेतु सही ढंग अपनाकर सफल होंगे। जातक तेजस्वी होंगे शत्रु इनसे भय खाते होंगे। क्रोध जल्दी आयेगा परन्तु आन्तरिकता से किसी की हानि नहीं करना चाहते। काम को पूरी लगन व परिश्रम से करने की प्रक्रिया होगी। परिजनों के साथ निकट संबंध रखना चाहेंगे। जुए व सट्टे के शौक भी आयेंगे परन्तु इससे बचे रहेंगे। जातक कई तरह कार्य प्रणाली मे अपनी जीवन को अजमाने की कोशिश करेंगे तथा उसमें सफलता मिलने के अच्छे योग होंगे। पत्नी के सहयोग से कार्य क्षेत्र में सफलता का योग है। दाम्पत्य जीवन में तनाव भरी बातों से बचना जरूरी होगा।

Scanned with CamScanner

सूर्यफलम्

जातक दीर्घायु, स्वयं चमके और को भी चमकाने में सहयोगी होंगे। उच्च कोटि के वाहनादि का सुख प्राप्त होगा। जमीन से संबंधित विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। गले, मुख में परेशानी हो सकती है। पत्नी का स्वास्थ्य रोगयुक्त होंगे। स्मरण शक्ति में दिक्कतें हो सकती हैं। दिखावा आडम्बर करने से बचें। आँख में परेशानी हो सकती है।

चंद्रफलम्

जातक जमीन जायदाद का मालिक होंगे, गृहस्थ सुख प्रबल है। बाईं आँख में विकार उत्पन्न हो सकते हैं। रात में नींद में परेशानी उत्पन्न होगी। मनमाने काम करना नुकसान देह साबित होगा। जातक शांतिप्रिय विचारधारा का होंगे। ठाठ-बाठ की जिन्दगी के उत्तरदायी होंगे उच्च अधिकारियों से अच्छे संपर्क होंगे।

भौमफलम्

जातक धार्मिक स्वभाव युक्त होंगे। जातक खोजी विचार, जो काम अन्य से सफल न हो उसे ये करने में सफल हो जाया करेंगे। टांगो में कमजोरी होंगे। मित्रों द्वारा धोखा होने का दौर होगा। संघर्षशील जीवन होगा। पैतृक सुख में कमी होगी। संतान सुख से तनाव का भी योग है। जातक साहसी तथा शत्रुओं के नाशक होंगे।

बुधफलम्

जातक लेखन, मुद्रक क्षेत्रों के प्रति उत्साहित भाव से युक्त होंगे। कार्य करने में निपुणता के भाव होंगे। स्वार्थ की भावना भी आया करेंगे। विष जन्य घटनाओं का दौर होगा, थपलों के भी योग हैं। दुर्घटना होने के भी योग हैं। दांत दर्द की शिकायत होगी। स्वयं पर ध्यान दें बुरे शब्दों का बोलने की प्रणाली बन सकती है।

Scanned with CamScanner

गुरुफलम्

यात्रा करने में रुचि होगी। पहली संतान का पुत्र से प्रभावित होने का योग। अपनो से धोखा प्राप्त होगा। बेइज्जती का डर हमेशा मन में व्याप्त रहेगा। राज दरबार से सम्मान प्राप्त होगा। मुद्रन से संबंधित कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

भृगुफलम्

जातक में विद्वता गुण होंगे। ज्योतिष शास्त्र में रुचि होंगी। पत्नी पुरुष की भाँति साथ देंगी। अपने बने मकान से पुत्र की कमि होगी। भाईयों से हानि भी उठाना होगा। द्वि-भार्या योग का दौर होगा। बाहरी संपर्क के भी योग हैं। स्वयं के बदौलत सफलता प्राप्ति के दौर हैं।

शनिफलम्

जातक एकांतप्रियता पसंद करेंगे। छोटी-छोटी बातों में चिन्ता करने की प्रवृत्ति होगी। विदेश यात्रा में रुकावट, कई घरों का स्वामी होंगे। खानबीन करने में मन लगेगा। बातें बहुत करने वाला, मादक पदार्थो का सेवन हानिप्रद सिद्ध होगा। परिश्रम के बदौलत आगे बढ़ते रहने का दौर चलते रहेगा। जमीन से संबंधित कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। जमीन क्रय के भी योग हैं। 9, 14, 25 एवं 32 वें वर्ष अशान्ति का दौर होगा।

राहुफलम्

जातक औलाद प्राप्ति में विलम्बता का दौर होगा। लड़का प्राप्ति के बाद बाबा का समय की परेशानी का दौर अपने परिजनों से मतभेद व परेशानी होगी।

केतुफलम्

जातक आलस्यता से बचे नुकसान हो सकता है अनुचित तरीकों से धन कमाने का भी योग है। कमाये धन भी अनुचित/बेवजह जगहों पर व्यय हो जाया करेगा।

Scanned with CamScanner

"ग्रह स्पष्ट"

ग्रह	राशि	अंश
सूर्य	तुला	26°- 20'- 51"
चंद्र	सिंह	29°- 22'- 37"
मंगल	कुंभ	9°- 56'- 49"
बुध	वृश्चिक	15°- 49'- 00"
गुरु	वृश्चिक	17°- 54'- 09"
शुक्र	वृश्चिक	16°- 18'- 43"
शनि	वृष	10°- 39'- 42"
राहु	मकर	15°- 45'- 53"
केतु	कर्क	15°- 45'- 53"

विंशोत्तरी दशा

13 - 11 - 1971

सूर्य 11 - 09 - 04

24 - 08 - 1976

चंद्र 0 - 0 - 10

24 - 08 - 1986

मंगल 0 - 0 - 07

24 - 08 - 1993

राहु 0 - 0 - 18

24 - 08 - 2011

गुरु 0 - 0 - 16

24 - 08 - 2027

शनि 0 - 0 - 19

24 - 08 - 2046

बुध 0 - 0 - 17

24 - 08 - 2063

केतु 0 - 0 - 07

24 - 08 - 2071

Scanned with CamScanner

अंतरदशा (गुरु महादशा)

24-08-2011

गु+गु 18-01-02

12-10-2013

गु+श 12-06-02

24-04-2016

गु+बु 06-03-02

30-07-2018

गु+के 06-11-00

06-07-2019

गु+शु 00-08-02

06-03-2022

गु+सू 18-09-00

24-12-2023

गु+चं 00-04-01

24-04-2025

गु+मं 06-11-00

30-03-2026

गु+रा 24-04-02

24-08-2027

अंतरदशा (शनि महादशा)

24-08-2027

श+श 03-00-03

27-08-2030

श+बु 09-08-02

06-05-2033

श+के 09-01-01

15-06-2034

श+शु 00-02-03

15-08-2037

श+सू 12-11-00

27-07-2038

श+चं 00-07-01

27-02-2040

श+मं 09-01-01

06-04-2041

श+रा 06-10-02

12-02-2044

श+गु 12-06-02

24-08-2046

Scanned with CamScanner

महादशा फल

फिलहाल गुरु की महादशा चल रही है। गुरु चतुर्थेश और सप्तमेश होकर तृतीय भाव में है। जमीन क्रय भवन निर्माण का योग है। अनचाही कार्यों का समापन होगा, शत्रु उपद्रव तथा अपने जनों से ही परेशानी उत्पन्न हो सकती भाई जनों से मतभेदपूर्ण विचार उत्पन्न होंगे। उच्चें अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

बुध की अंतरदशा चल रही है बुध लग्नेश और नवमेश होकर तृतीय भाव में स्थित है। जातकको व्यापारिक कार्यों में सफलता देगा। सर्दी खाँसी दर्द की शिकायत होगी। नये लोगों के प्रति उदार भाव होंगें। देवी कृपा से भाग्यवृद्धि का योग। पत्नि भाग्यवृद्धि में सहायक होगी। माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। स्वास्थ्य बाधाक योग है। नये वाहनादि क्रय का योग है।

अरिष्ट वर्ष:- 4, 5. 13, 16, 23, 28
36, 45, 48, 62, 100

परामर्श :-

(A) टोपाज 5¼ रत्ती चाँदी में बनाकर तर्जनी अँगुली में धारण करें।

(B) गुरु का 64000 जप किसी योग्य विद्वान से करायें।

(C) विष्णु भगवान को 41 दिन तुलसी चढ़ायें।

निर्माणकर्ता
आचार्य रवि रंजन भास्कर
भास्कर ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
C/o चंद्रशेखर भवन, मनोकामना मंदिर, उपरडीह, चाँद चौरा
गया, बिहार
संपर्क सूत्र:- 9801326260
9835081645
2016

9204140289